

गैर-संचारी रोगों के नदिान हेतु पेन-प्लस रणनीति

प्रलिमिंस के लयि:

पेन-प्लस रणनीति, 'वकिलांगता-समायोजति जीवन वर्ष' NPCDCS, राषट्रीय स्वास्थय मशिन, ASHA ।

मेन्स के लयि:

गैर-संचारी रोग के प्रभाव ।

चर्चा में क्यौं?

हाल ही में अफ्रीका ने गंभीर **गैर-संचारी रोगों (NCD)** के नदिान, उपचार और देखभाल तक पहुँच को बढ़ावा देने के लयि **पेन-प्लस रणनीति (PEN-PLUS Strategy)** नामक नई रणनीति अपनाई है ।

पेन-प्लस रणनीति

- यह प्रथम स्तर की **संदर्भति स्वास्थय सुवधाओं में गंभीर गैर-संचारी रोगों को संबोधति करने के लयि क्षेत्रीय रणनीति** है ।
 - रणनीति का उद्देश्य **पुराने और गंभीर NCDs रोगियों के उपचारखभाल में पहुँच के अंतर को समाप्त करना** है ।
- यह देशों से आग्रह करता है कि पुरानी और गंभीर गैर-संचारी रोगों से नपिटने के लयि मानकीकृत कार्यक्रम स्थापति करें ताकि यह सुनिश्चति कथि जा सके कि जिला अस्पतालों में आवश्यक दवाएँ, प्रौद्योगकियौं तथा नदिान उपलब्ध एवं पहुँच योग्य हैं ।

गैर-संचारी रोग:

- **परचिय:**
 - गैर-संचारी रोग (Non-Communicable Diseases- NCD) वह चकित्सीय स्थतियौं या रोग हैं जो संक्रामक कारकों के कारण नहीं फैलती हैं ।
 - गैर-संचारी रोगों को दीर्घकालकि बीमारयौं के रूप में भी जाना जाता है क्यौंकि ये लंबे समय तक बनी रहते हैं तथा आनुवंशकि, शारीरकि, पर्यावरण और व्यवहार कारकों के संयोजन का परिणाम होती है ।
 - ये रोग वे पुरानी स्थतियौं हैं जो बच्चों, कशिरों और वयस्कों में उच्च स्तर की वकिलांगता एवं मृत्यु का कारण बनती हैं यदकि उन्हें अनुपचारति छोड़ दथि जाता है ।
 - NCD में हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह, अस्थमा आदि शामिल हैं ।
 - वशिव स्तर पर NCD, रुग्णता और मृत्यु का मुख्य कारण हैं ।
 - **वशिव स्वास्थय संगठन (WHO)** के अनुसार, ये वैश्वकि स्तर पर 71% मौतों का कारण बनते हैं ।
 - अफ्रीकी क्षेत्र में NCD के कारण मृत्यु दर का अनुपात 27-88% के बीच है ।

भारत में गैर-संचारी रोगों (NCDs) की स्थति:

- **परचिय:**
 - भारत में प्रत्येक वर्ष लगभग **58 मिलियन लोगों की (WHO रिपोर्ट, 2015)** NCDs (हृदय और फेफड़ों के रोग स्ट्रोक कैंसर और मधुमेह) से मृत्यु हो जाती है या दूसरे शब्दों में 4 में से 1 भारतीयों को 70 वर्ष की आयु तक पहुँचने से पूर्व ही NCDs से मौत की आशंका होती है ।
 - इसके अलावा यह पाया गया है कि **NCDs की वजह से वर्ष 1990 में 'वकिलांगता-समायोजति जीवन वर्ष' (DALYs)** की

अवधि 30% बढ़कर वर्ष 2016 में 55% हो गई है और इसके कारण होने वाली मौतों के अनुपात में भी वृद्धि हुई है। NCDs (सभी प्रकार की मौतों के लिये) वर्ष 1990 में 37% से बढ़कर वर्ष 2016 में 61% हो गई थी।

- चार प्रमुख NCDs हृदय रोग (CVDs), कैंसर, पुराने श्वसन रोग (CRDs) और मधुमेह हैं।

कारण:

- शारीरिक नषिक्रयिता, अस्वास्थ्यकर आहार (फलों, सब्जियों और साबुत अनाज का कम तथा उच्च वसा युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन), तंबाकू और शराब के सेवन NCDs के प्रमुख कारक हैं।

- उच्च रक्तचाप,
- रक्त में शर्करा की बढ़ी हुई मात्रा (मधुमेह का प्रमुख कारण),
- असामान्य रूप से रक्त में बढ़ी हुई वसा की मात्रा (डिसलिपिडिमिया),
- इसके अलावा, वायु प्रदूषण जो मुख्य रूप से खाना पकाने और घरों को गर्म रखने के लिये ठोस ईंधन जलाने के परिणामस्वरूप उत्पन्न होते हैं, NCDs के प्रमुख कारक हैं।

पहल:

- कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिये राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCDCS):

- जोखिम कारकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, बुनियादी ढाँचे (जैसे NCD क्लीनिक, कार्डियक केयर यूनिट) स्थापित करना और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल स्तरों पर त्वरित जाँच करना आदि शामिल है।
- NCDs की रोकथाम और नियंत्रण हेतु वर्ष 2013-2020 की अवधि के लिये WHO वैश्विक कार्य योजना का कार्यान्वयन।
 - विश्व का प्रथम देश है जिसने राष्ट्रीय कार्य योजना को वशिष्ट राष्ट्रीय लक्ष्यों और संकेतकों के साथ, वर्ष 2025 तक NCD से वैश्विक आकस्मिक मृत्यु की संख्या को 25% तक कम करने के लक्ष्य के साथ अपनाया है।

उप घटक:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के साथ NPCDCS के एकीकरण के परिणामस्वरूप अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं - वशिषकर ANM और मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (ASHA) के रूप में बुनियादी ढाँचे और मानव संसाधनों में वृद्धि हुई है।
- क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिसीज़ (COPD) और क्रॉनिक कडिनी डिसीज़ (CKD) की रोकथाम तथा प्रबंधन और मधुमेह एवं टीबी जैसी सह-बीमारियों के बेहतर प्रबंधन पर भी NPCDCS कार्यक्रम के तहत विचार किया गया।
- आयुर्वेद, योग, युनानी, सद्धि और होम्योपैथी (आयुष) का NPCDCS के साथ एकीकरण सामान्य जनसंख्या के बीच स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने की दृष्टि में एक और कदम है।
 - NCDs की रोकथाम और नियंत्रण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये सोशल मीडिया के माध्यम से स्वास्थ्य प्रचार किया जा रहा है,
 - नए अनुप्रयोगों में मोबाइल प्रौद्योगिकी का उपयोग कर NCDs के रोकथाम के लिये जागरूकता बढ़ाई जा रही है, जैसे कि मधुमेह नियंत्रण के लिये (mDiabetes ऐप), तंबाकू उत्पादों के सेवन को छोड़ने के लिये (mCessation ऐप) और मानसिक तनाव के सहायक के तौर पर (No more tension ऐप)।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)